अनुदान संख्या 48 - भारी उद्योग विभाग
GRANT No. 48 - DEPARTMENT OF HEAVY INDUSTRY

			कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत– Saving -
					(हजार रुपयों में) (In thousands of rupees)
राजस्वः	**Revenue:**				
स्वीकृत–	Voted-				
मूल	Original	3213,79,00			
			3213,81,00	2668,57,84	-545,23,16
पूरक	Supplementary	2,00			
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year				543,84,70
पूंजीगतः	**Capital:**				
स्वीकृत–	Voted-				
मूल	Original	92,21,00			
			92,22,00	43,96,44	-48,25,56
पूरक	Supplementary	1,00			
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year				48,24,00

टीका और टिप्पणियां

1. अनुदान के राजस्व भाग में, बचतें/अधिक व्यय निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत हुईं/हुआ :–

Notes and comments

1. In the revenue section of the grant, savings/excess occurred under the following major head:-

(लाख रुपयों में)
(In lakhs of rupees)

शीर्ष	Head				
मुख्य शीर्ष "2852"	Major Head "2852"				
उद्योग	Industries				
मू.	O.	318086.00			
पू.	S.	1.00	263661.00	263603.60	-57.40
पु.	R.	-54426.00			

(I) "सामान्य – अन्य व्यय" के अंतर्गत – बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत हुईं :–

(I) Under "General - Other Expenditure" - savings occurred under the following heads:-

(का) "आटोमोबाइल उद्योग का विकास" – ₹172960.04 लाख की बचत (₹291328.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) प्रावधान को वर्तमान लघु शीर्ष "अन्य व्यय" से संगत लघु शीर्ष में अंतरित किए जाने के कारण हुई।

(A) "Development of Automobile Industry" - saving of ₹172960.04 lakhs (against the sanctioned provision of ₹291328.00 lakhs) was due to shifting of provision in the relevant minor head from the existing minor head "Other Expenditure".

(खा) "केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को सहायता" – ₹3648.30 लाख की बचत (₹3733.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) मुकदमों तथा कर संबंधी मामलों को अंतिम रूप नहीं दिए जाने के कारण कम प्रस्ताव प्राप्त होने की वजह से हुई।

(B) "Support to Central Public Sector Enterprises" - saving of ₹3648.30 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3733.00 lakhs) was due to receipt of less proposals owing to the court cases and non-finalisation of tax related cases.

2. उपर्युक्त बचतें पुनर्विनियोग द्वारा प्रावधान बढाने के लिए आंशिक रूप से (₹122092.70 लाख) प्रयुक्त हो गईं, जैसा कि दिसंबर, 2022 में मुख्य शीर्ष "2852" – "अभियांत्रिकी उद्योग – परिवहन उपस्कर उद्योग – आटोमोबाइल उद्योग" के अंतर्गत ₹1.00 लाख का सांकेतिक पूरक अनुदान प्राप्त करते समय संसद को पहले ही सूचित कर दिया गया था। तथापि, वास्तविक अधिक व्यय ₹122091.34 लाख हुआ।

2. The above savings were partly (₹122092.70 lakhs) utilised for augmenting the provision by re-appropriation as already reported to Parliament while obtaining token supplementary grant of ₹1.00 lakh in December, 2022 under Major Head "2852" - "Engineering Industries - Transport Equipment Industries - Development of Automobile Industry". Actual excess, however, was ₹122091.34 lakhs.

3. अनुदान के पूंजीगत भाग में, बचतें/अधिक व्यय निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत हुईं/हुआ :–

3. In the capital section of the grant, savings/excess occurred under the following major heads:-

(लाख रुपयों में)
(In lakhs of rupees)

शीर्ष	Head	कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत– Saving -
मुख्य शीर्ष "4860"	Major Head "4860"			
उपभोक्ता उद्योगों पर पूंजीगत परिव्यय	Capital Outlay on Consumer Industries			
मू.	O.	4430.00	..	..
पु.	R.	-4430.00		

शीर्ष	Head		कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत– Saving -
					(लाख रुपयों में) (In lakhs of rupees)
मुख्य शीर्ष "6858"	Major Head "6858"				
अभियांत्रिकी उद्योगों के लिए ऋण	Loans for Engineering Industries				
मू.	O.	4781.00	..	..	..
पु.	R.	-4781.00			
मुख्य शीर्ष "6860"	Major Head "6860"				
उपभोक्ता उद्योगों के लिए ऋण	Loans for Consumer Industries				
मू.	O.	4.00	4398.00	4396.44	-1.56
पू.	S.	1.00			
पु.	R.	4393.00			

(I) इक्कीस शीर्षों के अंतर्गत ₹9221.00 लाख का प्रावधान पूरी तरह से अप्रयुक्त रहा जिसमें से ₹9203.00 लाख निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत लेखाबद्ध थे :–

(का) मुख्य शीर्ष "4860" – "पेपर और न्यूज प्रिंट – सार्वजनिक क्षेत्र और अन्य उपक्रमों में निवेश – नेपा मिल्स लि. में निवेश" – ₹4429.00 लाख – स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना को अंतिम रूप नहीं दिए जाने के चलते निवेश प्रक्रिया शुरू नहीं होने के कारण।

(बी) मुख्य शीर्ष "6858" –

(क) "परिवहन उपस्कर उद्योग – सार्वजनिक क्षेत्र और अन्य उपक्रमों को ऋण – स्कूटर इंडिया लिमिटेड को ऋण" – ₹2412.00 लाख – कार्यान्वयनकर्ता अभिकरणों से प्रस्ताव प्राप्त नहीं होने और न्यायालय मामलों और कर संबंधी मामलों को अंतिम रूप नहीं दिए जाने के कारण।

(I) Provision of ₹9221.00 lakhs remained wholly unutilised under twenty one heads; of these ₹9203.00 lakhs accounted for under the following major heads:-

(A) Major Head "4860" - "Paper and Newsprint - Investments in Public Sector and other Undertakings - Investment in Nepa Mills Ltd." - ₹4429.00 lakhs - due to non-initiation of investment process owing to non-finalisation of Voluntary Retirement Scheme.

(B) Major Head "6858" -

(a) "Transport Equipment Industries - Loans to Public Sector and other Undertakings - Loans to Scooter India Limited" - ₹2412.00 lakhs - due to non- receipt of proposals from implementing agencies and non-finalisation of court cases and tax related cases.

(ख) "अन्य अभियांत्रिकी उद्योग – अन्य ऋण – आटोमोबाइल और संबद्ध उद्योग के लिए विकास परिषद" – ₹2362.00 लाख – नेशनल ऑटोमेटिव टेस्टिंग और आर एंड डी परियोजना बंद होने के कारण।

4. उपर्युक्त बचतें पुनर्विनियोग द्वारा प्रावधान बढाने के लिए आंशिक रूप से (₹4397.00 लाख) प्रयुक्त हो गईं, जैसा कि दिसंबर, 2022 में मुख्य शीर्ष "6860" – "अन्य – फोटो फिल्म्स – हिंदुस्तान फोटो फिल्म् मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड" के अंतर्गत ₹1.00 लाख का सांकेतिक पूरक अनुदान प्राप्त करते सम्य संसद को पहले ही सूचित कर दिया गया था। तथापि वास्तविक अधिक व्यय ₹4395.44 लाख हुआ।

(b) "Other Engineering Industries - Other Loans - Development Council for Automobiles and Allied Industries" - ₹2362.00 lakhs - due to closure of National Automotive Testing and R&D Infrastructure Project.

4. The above savings were partly (₹4397.00 lakhs) utilised for augmenting the provision by re-appropriation as already reported to Parliament while obtaining token supplementary grant of ₹1.00 lakh in December, 2022 under Major Head "6860" - "Others - Photo Films - Loans to Hindustan Photo Film Manufacturing Company Limited." Actual excess, however, was ₹4395.44 lakhs.